प्रश्नोतर से संबंधित परिशिष्ट

परिशिष्ट 'तिरेसठ'

[26/2/2016]

प्रश्न सं. [क. 1473]

परिशिष्ट - 31

एकीकृत बाल विकास सेवा , मध्य प्रदेश

समेकित बाल विकास परियोजना (ICDS)

वर्तमान में मध्यप्रदेश के सभी 313 विकासखण्डों में 278 ग्रामीण 102 आदिवासी परियोजनायें संचालित हैं। इसके अतिरिक्त 73 शहरी बाल विकास परियोजनाओं सहित प्रदेश में कुल 453 समेकित बाल विकास परियोजनाएं संचालित हैं। 453 बाल विकास परियोजनाओं में कुल 80,160 आंगनवाड़ी केन्द्र एवं 12,070 उप आंगनवाड़ी केन्द्र स्वीकृत हैं। इन आंगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से लगभग 97.68 लाख हितग्राहियों को आई सी डी एस. की सेवाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। आंगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से निम्नानुसार सेवाएं समन्वित रूप से दी जाती है :-

1. पूरक पोषण आहार

6 वर्ष से कम उम्र के बच्चे, गर्भवती व दुध पिलाने वाली माताओं तथा किशोरियों की पहचान हेतु समुदाय के सभी परिवारों का सर्वेक्षण किया जाता है तथा साल में कम से कम तीन सौ दिन पूरक पोषण आहार दिया जाता है। वर्तमान में 06 माह से 06 वर्ष तक के बच्चों को 4.00 रूपये प्रति बच्चा प्रतिदिन के मान से 12-15 ग्राम प्रोटीन एवं 500 कैलोरी युक्त पोषण आहार दिये जाने का प्रावधान है। गंभीर कुपोषित बच्चों को 6.00 रूपये प्रति बच्चा प्रतिदिन के मान से 20-25 ग्राम प्रोटीन एवं 800 कैलोरी युक्त पोषण आहार तथा गर्भवती/धात्री माताओं एवं किशोरी बालिकाओं को 5.00 रूपये प्रति हितग्राही प्रतिदिन के मान से 18-20 ग्राम प्रोटीन एवं 600 कैलोरी युक्त पोषण आहार दिये जाने का प्रावधान है।

2. स्वास्थ्य जांच

प्रत्येक आंगनवाड़ी केन्द्र में प्रत्येक माह में किसी एक मंगलवार या शुक्रवार के दिन ए.एन.एम तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा महिलाओं तथा बच्चों की स्वास्थ्य जाँच की जाती है। स्वास्थ्य जाँच के आधार पर स्वास्थ्य में सुधार हेतु आवश्यक सलाह हितग्राहियों को दी जाती है।

3. संदर्भ सेवाएँ

स्वास्थ्य जांच के आधार पर आवश्यक होने पर महिलाओं एवं बच्चों को खण्ड चिकित्सा अधिकारी अथवा विकासखण्ड/जिलास्तरीय चिकित्सालयों में रेफर किया जाता है।

4. टीकाकरण

प्रति आंगनवाड़ी प्रतिमाह किसी एक सप्ताह का मंगलवार/शुक्रवार टीकाकरण के लिये निर्धारित रहता है। उक्त दिवस में ए.एन.एम द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र पर बच्चों, गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया जाता है।

5. पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं ए.एन.एम द्वारा उनके कार्यक्षेत्र में गृह भेंट करने का प्रावधान है। गृहभेंट के दौरान महिलाओं को स्वास्थ्य एवं संतुलित भोजन से संबंधित जानकारी व सलाह दी जाती है।

6. स्कूल पूर्व अनौपचारिक शिक्षा

आंगनवाड़ी केन्द्रों का मुख्य उद्देश्य बच्चों का मानसिक विकास करना भी है जिससे वह प्राथमिक स्कूल में और बेहतर तरीके से शिक्षा प्राप्त कर सके। इसके लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा दी जाती है। बच्चों को प्राकृतिक संसाधनों जैसे -जल, जंगल, जानवर, इत्यादि के बारे में प्रारंभिक ज्ञान कराया जाता है।

अनुभाग अधिकारी
मध्य प्रदेश शासन,
महिला एवं बाल विकास विभाग,
मंत्रालय, भोपाल

जिला कार्यक्रम अधिकारी
एकीकृत बाल विकास सेवा
जिला राजगढ